(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए— 1×5=5

समाज-सेवा का क्षेत्र अनन्त है। समाज-सेवा का कोई बन्धित क्षेत्र नहीं होता। समाज सेवा शहरों के अलावा छोटे-छोटे गाँवों, कस्बों में भी की जा सकती है। शहरों में समाज सेवा कई प्रकार से की जा सकती है। असहायों को सड़क पार करवाना, दुर्घटना के समय चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराना, अस्पतालों में रोगियों को फल, दवाई, पौष्टिक चीजें वितरित करना, गरीबों को भोजन देना, बेसहारों के लिए आवास व्यवस्था करना आदि विभिन्न प्रकार के कार्यों द्वारा समाज-सेवा की जा सकती है। इसके अलावा छोटे-छोटे बच्चों को सड़क पार करवाना, पर्यावरण की सुरक्षा के लिए वृक्षों को उगाना, पीने के पानी की व्यवस्था करवाना, बाहर से आए मुसाफिरों के लिए रहने की व्यवस्था करना, अनाथों की सहायता करना आदि। हमारे यहाँ गाँवों की स्थिति काफी चिन्ताजनक है। आधुनिक और आवश्यक शिक्षा के अभाव में ग्रामीण रहन-सहन खराब है। चिकित्सा की सुविधाओं के अभाव के कारण ग्रामवासी अपनी बीमारियों के उन्मूलन के लिए झाड़-फूँक का सहारा लेते हैं। पढ़े-लिखे न होने के कारण महाजन उनसे गलत कागजों पर निशान लगवा लेते हैं। अतः ग्रामों में समाज-सेवा के लिए विद्यालय खोलना, प्रौढ़-शिक्षा का प्रबन्ध करना, किसानों को खेती सम्बन्धी जानकारी उपलब्ध कराना, आवश्यकता पड़ने पर खेत-खलिहान में लगी आग को बुझाने के तरीके बताना, चिकित्सा की सुविधाएँ उपलब्ध कराना आदि कदम उठाकर इस दिशा में उपयोगी कार्य किये जा सकते हैं।

(क) समाज-सेवा के लिए सुलभ क्षेत्र होता है— 1

(i) केवल गाँवों में
(ii) केवल शहरों में
(iii) बड़े-बड़े अस्पतालों में
(iv) गाँवों, कस्बों तथा महानगरों आदि में सर्वत्र।

(ख) शहरों में समाज-सेवा किस रूप में की जा सकती है ? 1

(i) असहायों को सड़क पार करवाकर
(ii) दुर्घटना के समय चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध करा कर
(iii) गरीबों को भोजन करवाकर
(iv) असहायों को सड़क पार कराने, भोजन, चिकित्सा तथा आवास सुविधा उपलब्ध करा कर आदि।

(ग) गाँवों की दशा खराब होने के कारण हैं— 1

(i) शिक्षा का अभाव तथा अज्ञानता
(ii) चिकित्सा सुविधाओं की कमी
(iii) महाजनों द्वारा शोषण
(iv) अज्ञानता, निरक्षरता, शोषण तथा चिकित्सा-व्यवस्था न होना।

(घ) प्रौढ़-शिक्षा का अर्थ होता है— 1

(i) बच्चों की शिक्षा
(ii) युवकों की शिक्षा
(iii) अधेड़ आयु के लोगों की शिक्षा
(iv) स्त्रियों की शिक्षा।

(ङ) चिकित्सा-सुविधाओं के अभाव में गाँव के लोगों के रोगों का इलाज होता है— 1

(i) कुशल वैद्यों द्वारा
(ii) झाड़-फूँक करने वालों द्वारा
(iii) झोला छाप डॉक्टरों द्वारा
(iv) शहरों में जाकर।